RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 321
दि. 25.03.2026, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की स्थिति पर संबोधन दिया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज राज्यसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न स्थिति पर सरकार का पक्ष प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी इस युद्ध ने एक गंभीर वैश्विक ऊर्जा संकट उत्पन्न कर दिया है, जिसका भारत पर चिंताजनक प्रभाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस बात पर विशेष बल दिया कि यह संघर्ष भारत के व्यापारिक मार्गों को बाधित कर रहा है और पेट्रोल, डीजल, गैस तथा उर्वरकों जैसी आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। खाड़ी देशों में रह रहे और वहां कार्यरत लगभग एक करोड़ भारतीयों की सुरक्षा और जीविका का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इसे गहरी चिंता का विषय बताया। साथ ही, उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर फंसे बड़ी संख्या में भारतीय चालक दल के सदस्यों की स्थिति की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। सदन को आश्वस्त करते हुए प्रधानमंत्री ने वैश्विक समुदाय को यह मजबूत संदेश देते हुए कहा कि ऐसी चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील परिस्थितियों में, यह अत्यंत आवश्यक है कि भारत की संसद के इस गरिमामय उच्च सदन से संपूर्ण विश्व के लिए शांति और संवाद का एक साझा एवं एकजुट स्वर गूँजे।

युद्ध की शुरूआत के बाद से भारत के सक्रिय कूटनीतिक प्रयासों का विवरण देते हुए प्रधानमंत्री ने सदन को सूचित किया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से अधिकांश पश्चिम एशियाई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो दौर की टेलीफोन वार्ता की है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत सभी खाड़ी देशों के साथ-साथ ईरान, इजराइल और अमेरिका के साथ भी निरंतर संपर्क में है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत का मुख्य उद्देश्य संवाद और कूटनीति के माध्यम से क्षेत्र में शांति की बहाली है।

इस दिशा में, तनाव कम करने और होर्मुज स्ट्रेट को पुनः खोलने के विषयों पर विशेष रूप से चर्चा की गई है। भारत के दृढ़ रुख पर बल देते हुए उन्होंने घोषणा की कि वाणिज्यिक जहाजों पर हमले और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में गतिरोध उत्पन्न करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। भारत ने आम नागरिकों, सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर तथा ऊर्जा और परिवहन से जुड़े संसाधनों पर होने वाले सभी हमलों का स्पष्ट रूप से विरोध किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वैश्विक शांति का आह्वान करते हुए कहा, "इस युद्ध में मानवीय जीवन के लिए कोई भी

खतरा मानवता के हितों के विरुद्ध है, इसीलिए भारत का निरंतर प्रयास है कि सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में प्रोत्साहित किया जाए।"

संकट के समय देश और विदेश में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को सरकार की अटल प्राथमिकता बताते हुए प्रधानमंत्री ने साझा किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3,75,000 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित देश वापस लाया जा चुका है। इसमें केवल ईरान से लाए गए 1,000 से अधिक भारतीय शामिल हैं, जिनमें 700 से अधिक युवा मेडिकल छात्र हैं। प्रधानमंत्री ने हमलों में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने बताया कि भले ही सभी देशों ने सुरक्षा का आश्वासन दिया है, लेकिन युद्ध की विभीषिका में हमारे नागरिकों का हताहत होना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सरकार संकट की इस घड़ी में पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "प्रभावित परिवारों को हर संभव आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है और घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है।"

होर्मुज स्ट्रेट के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कच्चे तेल, गैस और उर्वरकों के परिवहन के लिए दुनिया के सबसे बड़े व्यापारिक मार्गों में से एक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से इस मार्ग से जहाजों का आवागमन अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गया है। हालांकि, इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, सरकार ने संवाद और कूटनीति के माध्यम से वैकल्पिक मार्ग खोजने का प्रयास किया है जिसका एकमात्र लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि जहाँ से भी संभव हो, भारत को तेल और गैस की आपूर्ति निर्बाध रूप से प्राप्त हो सके। प्रधानमंत्री ने इन प्रयासों की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा, "देश इन प्रयासों के परिणाम देख रहा है। पिछले कुछ दिनों में दुनिया के विभिन्न देशों से कच्चे तेल और एलपीजी से लदे जहाज भारत पहुँचे हैं। इस दिशा में हमारे प्रयास आने वाले दिनों में भी निरंतर जारी रहेंगे।"

दीर्घकालिक जोखिमों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि यद्यपि भारत का निरंतर प्रयास तेल, गैस या उर्वरक जैसी हर आवश्यक वस्तु को ले जाने वाले जहाजों की सुरक्षित आवक सुनिश्चित करना है, लेकिन इस युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक व्यवधानों का लंबे समय तक बने रहना अनिवार्य रूप से गंभीर परिणामों की ओर ले जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की आंतरिक शक्ति और तैयारियों पर बल देते हुए कहा,"इसीलिए, भारत उन सभी रेजिलिएंस-बिल्डिंग उपायों में तेजी ला रहा है, जो पिछले वर्षों के दौरान देश की आत्मनिर्भरता और मजबूती के लिए शुरू किए गए थे।" भारत की दशक भर की रणनीतिक तैयारियों पर बोलते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हर संकट किसी भी राष्ट्र के संकल्प और उसके प्रयासों की परीक्षा लेता है। उन्होंने रेखांकित किया कि पिछले ग्यारह वर्षों के दौरान निरंतर और दूरदर्शी निर्णय लिए गए हैं ताकि देश ऐसी चुनौतियों का डटकर सामना कर सके। ऊर्जा आयात के दायरे में विस्तार का विवरण देते हुए उन्होंने सदन को सूचित किया कि भारत अब कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी के लिए 27 के बजाय 41 देशों से अपनी आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत ने ठीक ऐसे ही संकट के समय के लिए कच्चे तेल के भंडार बनाने को प्राथमिकता दी है और तेल कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। पिछले ग्यारह वर्षों में 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक की आपातकालीन तेल भंडारण क्षमता विकसित की गई है। साथ ही, 65 लाख मीट्रिक टन से अधिक की अतिरिक्त क्षमता स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है और भारत की रिफाइनिंग क्षमता में भी महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को आश्वस्त करते हुए कहा, "मैं इस सदन और पूरे देश को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि भारत के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडारण है और निरंतर तथा निर्बाध आपूर्ति के लिए हमारे पास अत्यंत पुख्ता व्यवस्था है।"

किसी एक ईंधन स्रोत पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने की सरकार की रणनीति का विस्तार से विवरण देते हुए, प्रधानमंत्री ने घरेलू गैस आपूर्ति के लिए एलपीजी के साथ-साथ पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) पर दिए जा रहे जोर को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में पीएनजी कनेक्शनों पर अभूतपूर्व कार्य किया गया है और हाल के दिनों में इस प्रयास को और अधिक गति प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ऊर्जा सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, "इसके साथ ही, देश के भीतर एलपीजी के घरेलू उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि करने के लिए भी बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं।"

भारत की आत्मनिर्भरता की दृष्टि का समर्थन करते हुए, प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि पिछले कई वर्षों से सरकार का निरंतर प्रयास हर क्षेत्र में दूसरे देशों पर निर्भरता को न्यूनतमकरना रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि वर्तमान में भारत का 90 प्रतिशत से अधिक तेल विदेशी झंडे वाले जहाजों द्वारा लाया जाता है, जो किसी भी वैश्विक संकट के समय देश की संवेदनशीलता को बढ़ा देता है। इस चुनौती से निपटने के लिए, सरकार ने मेड-इन-इंडिया जहाज बनाने के लिए लगभग ₹70,000 करोड़ का एक मिशन शुरू किया है।

रक्षा मंत्री ने पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की रक्षा तैयारियों पर इसके प्रभाव की समीक्षा की

अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए परिचालन और तकनीकी सबक का अध्ययन किया जाना चाहिएः श्री राजनाथ सिंह

"आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करते हुए, सीखे गए सबक, चुनौतियों और अवसरों को ध्यान में रखते हुए अगले दशक के लिए एक एकीकृत रोडमैप को औपचारिक रूप देने की आवश्यकता है"

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 24 मार्च, 2026 को नई दिल्ली में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, सेना प्रमुखों, रक्षा सचिव, रक्षा उत्पादन सचिव और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष के साथ बैठक के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की रक्षा तैयारियों पर इसके प्रभाव का जायजा लिया। उन्हें वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य, मौजूदा संघर्षों के संभावित विस्तार के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ-साथ वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों और अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। मौजूदा उपकरणों के रखरखाव और सेवाक्षमता सहित रक्षा उपकरणों की खरीद और उत्पादन के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर स्थिति के प्रभाव का भी विश्लेषण किया गया।

रक्षा मंत्री ने निर्देश दिया कि भारत की तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए मौजूदा संघर्ष से मिले परिचालन और तकनीकी सबक का निरंतर अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें अगले दशक के लिए एक व्यापक एकीकृत रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता है, जिसमें सीखे गए सबक, आगे आने वाली चुनौतियों और अवसरों को ध्यान में रखते हुए सभी मोर्चों पर आत्मनिर्भरता और परिचालन तत्परता सुनिश्चित की जाए।'

जनगणना 2027 के लिए सुरक्षा उपाय

जनगणना 2027 को डिजिटल माध्यमों से आयोजित करने की योजना है। मोबाइल ऐप का उपयोग करके जनगणना कर्मियों द्वारा जनगणना डेटा संग्रह के अलावा, पहली बार एक वेब पोर्टल के माध्यम से उत्तरदाताओं द्वारा

स्वयं-गणना की प्रावधान भी किया गया है। जनगणना 2027 की विभिन्न गतिविधियों के प्रबंधन एवं निगरानी के लिए एक वेब पोर्टल विकसित किया गया है। जनगणना 2027 के पहले चरण के प्रश्न अधिसूचित किए जा चुके हैं।

शादी-तलाक पर एक नियम, बेटियों को संपत्ति में हिस्सेदारी, लिव-इन का रजिस्ट्रेशन-गुजरात यूसीसी बिल के 5 बड़े फैसले

(जीएनएस)।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी UCC बिल 24 मार्च को पेश किया। इसे सिर्फ एक कानून नहीं, बल्कि "समानता और एकरूपता" की दिशा में बड़ा कदम बताया जा रहा है। सरकार का दावा है कि यह बिल समाज में लंबे समय से चले आ रहे अलग-अलग निजी कानूनों की जगह एक समान व्यवस्था लाएगा, जिससे खासतौर पर महिलाओं को बड़ा फायदा होगा।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने भाषण में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए बड़े फैसलों-अनुच्छेद 370 हटाने, तीन तलाक कानून और राम मंदिर निर्माण-का जिक्र करते हुए कहा कि वउउ उसी कड़ी का अगला कदम है। उन्होंने साफ कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14 में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार दिया गया है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण अब तक इसे लागू नहीं किया जा सका। आइए जानें 5 बड़े फैसले।

इस बिल का सबसे बड़ा संदेश यही है कि अब शादी, तलाक और उत्तराधिकार जैसे मामलों में अलग-अलग नियम नहीं, बल्कि एक समान कानून लागू होगा। यानी धर्म के आधार पर अलग-अलग पर्सनल लॉ की जगह एक ही नियम सबके लिए होगा। हालांकि सरकार ने यह भी साफ किया है कि कुछ पारंपरिक प्रथाओं, जैसे कजिन मैरिज, को फिलहाल बरकरार रखा गया है और आदिवासी समुदायों को इस बिल से बाहर रखा गया है।

यूसीसी बिल में सबसे बड़ा बदलाव रिश्तों को लेकर आया है। अब शादी, तलाक और यहां तक कि लिव-इन रिलेशनशिप का भी रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। अगर कोई लिव-इन में रहता है और रजिस्ट्रेशन नहीं कराता, तो उसे 3 महीने तक की सजा हो सकती है।

यू-विन पोर्टल पर अपडेट

18 मार्च 2026 तक, सार्वभौमिक टीकाकरण (यू-विन) पोर्टल पर राष्ट्रीय स्तर पर 11.87 करोड़ बच्चे और 3.96 करोड़ गर्भवती महिलाएं पंजीकृत हुए हैं।

प्रत्येक टीकाकरण कार्यक्रम के बाद, लाभार्थी यू-विन पोर्टल से क्यूआर कोड आधारित टीकाकरण प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकते हैं। वर्ष 2025 में, यू-विन पर 8.01 करोड़ लाभार्थी पंजीकृत हुए और डिजिटल क्यूआर कोड आधारित प्रमाणपत्र डिजिटल रूप से उपलब्ध हैं।

यू-विन ने टीकाकरण के लिए निर्धारित बच्चों की सूची बनाने में मदद की है। इन बच्चों को नियमित निगरानी के लिए पोर्टल पर डिजिटल रूप से सूचीबद्ध किया जाता है और एसएमएस अलर्ट के जरिए उनकी निर्धारित खुराक सुनिश्चित की जाती है। जो लाभार्थी टीकाकरण के लिए नहीं आते, उनकी सूची स्वतः तैयार कर ली जाती है।

आयुष मंत्रालय और डीबीटी ने आयुर्वेद में तपेदिक (टीबी) के उपचार में सहायक चिकित्सा के रूप में एक संयुक्त नैदानिक अध्ययन की घोषणा की

विज्ञान आधारित नवाचार और एकीकृत, साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य देखभाल समाधानों द्वारा भारत में टीबी के विरुद्ध लड़ाई में तेजी आ रही हैः विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह

तपेदिक उन्मूलन का अर्थ केवल संख्या कम करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक रोगी स्वास्थ्य, सम्मान और शक्ति के साथ जीवन व्यतीत करेः आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव

(जीएनएस)।

विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस के अवसर पर, केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के साथ साझेदारी में "आयुर्वेद में तपेदिक के लिए सहायक चिकित्सा के रूप में नैदानिक अध्ययन" शीर्षक से एक सहयोगी नैदानिक अध्ययन की औपचारिक घोषणा के साथ एकीकृत स्वास्थ्य सेवा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिकों की उपस्थिति में इस बारे में संयुक्त रूप से घोषणा की। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित

इस उच्च स्तरीय कार्यक्रम में प्रमुख नीति निमार्ता, वैज्ञानिक, विद्वान, शोधकर्ता, चिकित्सक और अन्य महत्वपूर्ण हितधारक भी एकत्रित हुए, ताकि तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा के साक्ष्य-आधारित एकीकरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जा सके।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा, 'भारत तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में समर्पित तथा नवोन्मेषी प्रयासों के कारण तपेदिक के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है।' उन्होंने कहा, 'इस सहयोगात्मक नैदानिक अध्ययन का शुभारंभ विज्ञान-आधारित, साक्ष्य-आधारित नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो आधुनिक जैव चिकित्सा अनुसंधान को मान्य पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के साथ एकीकृत करता है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग के नेतृत्व में की गई पहलों के माध्यम से, हम अनुसंधान को मजबूत कर रहे हैं, वैश्विक साझेदारियों को बढ़ावा दे रहे हैं और दवा प्रतिरोध, कुपोषण तथा तपेदिक के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए रोगी-केंद्रित समाधानों को आगे बढ़ा रहे हैं।'

आयुष मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने अपने संबोधन में जोर देते हुए कहाः 'तपेदिक का उपचार केवल संक्रमण को समाप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगी को पूर्णतः स्वस्थ बनाने के बारे में भी है। इस दृष्टिकोण के साथ, हम एक नए परिप्रेक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियाँ न केवल उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोगियों के स्वास्थ्य लाभ, पोषण और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।'

कार्यक्रम का शुभारंभ डीबीटी के सचिव, बीआरआईसी के महानिदेशक और बीआईआरएसी के अध्यक्ष डॉ. राजेश एस. गोखले के उद्घाटन भाषण से हुआ। उन्होंने कहा, 'भारत में तपेदिक अनुसंधान ने निदान, टीकों और बड़े पैमाने पर किए गए विभिन्न अध्ययनों में नवाचार के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आयुष मंत्रालय के साथ यह सहयोगात्मक कार्यक्रम एकीकृत, साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगी आदित्यनाथ ने समावेशी विकास के महत्व पर प्रकाश डाला

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि देशभक्ति नारों से परे है, और उन्होंने चिकित्सा पेशेवरों से इसे समर्पित सेवा के माध्यम से प्रदर्शित करने का आग्रह किया। श्री गोरखनाथ स्वास्थ्य यात्रा 6.0 अलंकरण समारोह में बोलते हुए, उन्होंने डॉक्टरों को बाह्य रोगी विभागों से परे अपने अभ्यास का विस्तार करने और सीधे समुदायों के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

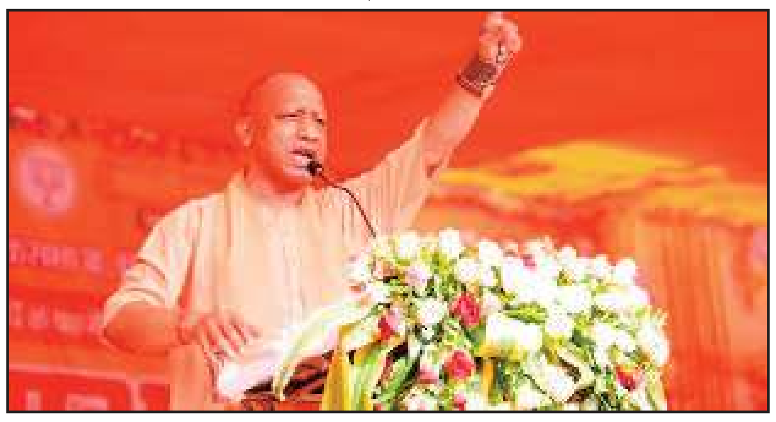

आदित्यनाथ समावेशी विकास के पैरोकार हैं

आदित्यनाथ ने समावेशी विकास के महत्व पर प्रकाश डाला, यह कहते हुए कि यदि कोई भी सामाजिक समूह वंचित रहता है तो राष्ट्रीय प्रगति बाधित होती है। उन्होंने चिकित्सा समुदाय से यात्रा को एक सामाजिक आंदोलन में बदलने का आह्वान किया, और सुझाव दिया कि डॉक्टर हर महीने इस उद्देश्य के लिए एक रविवार समर्पित करें।

यह पहल सात सीमावर्ती जिलों के आदिवासी समुदायों को लक्षित करती है, जो अक्सर उपेक्षित आबादी को आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्रदान करती है। आदित्यनाथ ने इन समुदायों के बीच विश्वास और सद्भावना बनाने में पहल की सफलता को नोट किया।

थारू समुदाय पर ध्यान केंद्रित करते हुए, आदित्यनाथ ने उनकी जीवन स्थितियों में सुधार के लिए सरकारी प्रयासों का विवरण दिया। प्रत्येक परिवार को एक घर, बिजली कनेक्शन, सौर पैनल, स्वास्थ्य कार्ड और राशन कार्ड प्राप्त हुआ, जो व्यापक समर्थन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सामुदायिक जुड़ाव और समर्थन

आरएसएस के संयुक्त महासचिव डॉ. कृष्ण गोपाल ने सामुदायिक जागरण पर टिप्पणी की जब समुदाय अपनी चुनौतियों का समाधान करते हैं। उन्होंने इन प्रयासों में राष्ट्रीय चिकित्सा संगठन के बैनर तले मेडिकल कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों की भागीदारी की प्रशंसा की।

यूपी विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दूसरों की सेवा करुणा से प्रेरित होती है, न कि संसाधनों से। उन्होंने मुख्यमंत्री, एनएमओ और गोरखनाथ सेवा न्यास द्वारा थारू और वनटांगिया समुदायों के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों को स्वीकार किया।

'द यश मंगलम शो' की नई लघु फिल्म 'युवा बिहार' में युवा पीढ़ी के जज्बे और जुनून की असरदार अभिव्यक्ति

"बिहार दिवस" पर पटना में हुआ शानदार लोकार्पण

मुंबई, 24 मार्च। भारत के ऐतिहासिक प्रदेश बिहार के स्थापना दिवस की वर्षगॉठ के अवसर पर इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण लघु फिल्म "युवा बिहार का लोकार्पण हुआ, जिसमें बिहार की युवा पीढ़ी के अद्भुत हुनर एवं बुलंद हौसलों के साथ युवाओं के जोश, जज्बे और जुनून की असरदार अभिव्यक्ति की गई है। पिछले दिनों जारी विभिन्न लघु फिल्मों को मिली निरंतर सफलता के बाद सृजनात्मक उत्कृष्टता के एक सशक्त ब्रांड के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे "द यश मंगलम शो" की नवीनतम कड़ी के रूप में इस लघु फिल्म " युवा बिहार" का लोकार्पण बिहार दिवस के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के टेन्डर हार्ट्स इंटरनेशनल, स्कूल में किया गया। उल्लेखनीय है कि बिहार के शिक्षा मंत्री श्री सुनील कुमार ने भी इस जोशीली लघु फिल्म का अवलोकन कर इसकी सृजनात्मक उत्कृष्टता को सराहा है।

एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत "वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई" द्वारा "महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन" के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म "युवा बिहार" सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर मौजूद सुरुचिपूर्ण चैनल "द यश मंगलम शो' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की "धरोहर: ए पोएटिक

बिहार दिवस के अवसर पर "द यश मंगलम शो" की नवीनतम लघु फिल्म "युवा बिहार के पोस्टर तथा समारोह में प्रस्तुत एक आकर्षक नृत्य का दृश्य।

सागा", *"शिल्पकार", "योगा रिट्रीट", "सेहत के रखवाले", *कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा, "मैं भारत हूँ..!", *"पथ प्रदर्शक"* " द लीगेसी ऑफ मैथेमेटिक्स" और "वंदे मातरम" जैसी प्रभावशाली कड़ियाँ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले और युवा शो-बॉय यश मंगलम हैं, जो सिर्फ.16 वर्ष की आयु में ही अपनी दमदार आवाज, आकर्षक व्यक्तित्व और सशक्त प्रस्तुतीकरण से अपनी शानदार शैली की बदौलत शो- बिज की दुनिया में अपने पैर बखूबी जमा रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें बिहार राज्य के गौरवशाली इतिहास और इसके राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर द्वारा लिखी गई 12 से अधिक लघु फिल्में पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुकी हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम लघु फिल्म के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को अपने कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का दायित्व बखूबी निभाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। वरिष्ठ राजनेता श्री राजाराम पांडेय जी की संकल्पना पर आधारित इस फिल्म के प्रोड्यूसर श्री जय कपूर हैं। इसके एसोसिएट प्रोड्यूसर श्री राजीव भार्गव और क्रिएटिव डायरेक्टर सुश्री रत्ना नीलम पांडे हैं। इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण पार्श्व संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम और एडिटिंग प्रताप शिंदे द्वारा सुनिश्चित की गई है। पोस्ट प्रोडक्शन "वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई" ने किया है। बिहार दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस ऊजार्वान लघु फिल्म का प्रदर्शन म्यूज़ियम, बिहार के अनेक विद्यालयों और पटना के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में किया जाएगा। इस लघु फिल्म की प्रमुख पंक्तियाँ कुछ इस तरह रची गई हैं :- सच बताइये दोस्तों ङ्क! क्या बिहार सिर्फ एक जगह का नाम है ? या फि र एक सोच की शैली या एक अनूठी शक्ति का भंडारङ्क जिसे है सही वक़्त का इन्तजार..! ये राज्यङ्कसिर्फ जमीन नहीं है, ये मेमोरी है...! ये मूवमेंट है...! ये समय के कैनवास पर जॉंबाज इरादों का स्टेटमेंट है..! जो कभी रुकता नहीं ङ्क! कभी थकता नहीं...! कभी झुकता नहीं..! दोस्तों, अपना बिहार सिर्फ हिस्ट्री का चैप्टर नहीं, बल्कि इंडियन फ्यूचर के नैक्स्ट चैप्टर का टाइटल है......बिहार...! भारतीय संस्कृति के धरातल पर है बुलंद हौसलों की हुंकार..! ये मिट्टी सिर्फ धूल नहीं.... चिंगारी है, आज हर टेलेंट की पूरी तैयारी है, ये युवा बिहार है मित्रों अब हमारी बारी है..!

यह लघु फिल्म इस यू-ट्यूब लिंक पर देखी जा सकती है :-

https://youtu.be/Ec2e9-rnX80?si=t_h-ZvdfYEHBs7qE

प्रतिभा का परचम, कोलंबिया फाउंडेशन की छात्रा लायबा ने हिंदी राष्ट्रभाषा प्रतियोगिता में जीते दो स्वर्ण पदक

लखनऊ। कहा जाता है कि यदि हौसले बुलंद हों और गुरुओं का आशीर्वाद साथ हो, तो सफलता कदम चूमती है। इसे सच कर दिखाया है कोलंबिया फाउंडेशन स्कूल की होनहार छात्रा कुंवारी लायबा ने। लायबा ने न केवल अपनी कक्षा में 'बेस्ट पारी' खेलकर शैक्षणिक श्रेष्ठता सिद्ध की, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराया है।

लायबा पुत्री श्री इजहार अहमद ने महात्मा गांधी राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार संस्था' द्वारा आयोजित देशव्यापी हिंदी राष्ट्रभाषा प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। अपनी मेहनत और भाषा पर पकड़ के दम पर उन्होंने इस परीक्षा को प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण किया। इस गौरवमयी उपलब्धि के लिए उन्हें सर्टिफिकेट, दो गोल्ड मेडल और एक विशेष शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

लायबा की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों में खुशी की लहर है। सम्मान समारोह के दौरान शिक्षकों ने लायबा का मनोबल बढ़ाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के मैनेजर जनाब मजहर साहब, हेड ऑफ टीचर रक्षा मैम, प्रिंसिपल, और क्लास टीचर शाईना मैम व ईरम मैम ने बच्ची को आशीर्वाद देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों के व्यक्तित्व में निखार लाती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि लायबा भविष्य में भी इसी तरह अपने माता-पिता और स्कूल का नाम रोशन करती रहेंगी।

लायबा के पिता श्री इजहार अहमद ने इस सफलता पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए स्कूल के समस्त स्टाफ का दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सही मार्गदर्शन के बिना यह मुकाम हासिल करना मुमकिन नहीं था। उल्लेखनीय है कि लायबा के बड़े भाई मो० हुजैफ ने भी कक्षा 8 तक की शिक्षा इसी विद्यालय से प्राप्त की है, जो इस परिवार का स्कूल के प्रति अटूट विश्वास दशार्ता है।

गले में फंदा लगा गेहूं के खेत में पड़ा मिला युवक का शव

-बड़े भाई ने बताया दिमागी हालत नहीं थी ठीक

-तीन साल से प्रयागराज में चल रहा था इलाज

(जीएनएस)।

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के अफोई गांव स्थित भारत पेट्रोल पंप के सामने मंगलवार की सुबह करीब 5 सौ मीटर की दूरी पर एक गेंहू के खेत में गले में लगा युवक का शव पाया गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। तलाशी लेने पर उसके जेब से आशा तम्बाकू और एक मोबाइल नंबर लिखा पर्चा पुलिस को बरामद हुआ। नंबर पर फोन लगाकर जानकारी करने पर युवक की पहचान खागा कोतवाली के बहलोलपुर ऐलई गांव निवासी स्वर्गीय छेद्दू का पुत्र बुद्धराज पासवान

के रूप में की। करीब एक घंटे बाद फोरेंसिक टीम भी पहुंची।

खागा कोतवाली क्षेत्र के बहलोलपुर ऐलई गांव निवासी सुरेश पासवान ने बताया कि भाई बुद्धराज पासवान (24) सोमवार को बिना बताये 2 बजे घर से निकला था। घर वापस न आने देर रात तक तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं पर भी पता नहीं सका था। करीब 11 बजे उन्हें भाई की मौत होने की जानकारी हुई तो वह मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर पेड़ में नायलॉन की जाली लगी थी। बबूल के पेड़ के नीचे मृतक की चप्पल पड़े हुए थे तथा मृतक के गले में और बबूल की डाल में नायलॉन की जाली बंधी देखी गई। बड़े भाई रमेश ने बताया कि करीब तीन साल से भाई की दिमागी हालत ठीक नहीं थी, प्रयागराज में उनका इलाज चल रहा था। घटनास्थल से करीब 4 किमी दूर मोहम्मदपुर गौंतीं का मजरा चांदपुर गांव में उनकी बहन सुनीता देवी की ससुराल है, शायद यहीं के लिए भाई निकला रहा हो। परिवार में माता रामदुलारी, भाई गुड्डा, रमेश, अवधेश हैं। थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि आत्महत्या प्रतीत हो रही है, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

मेलबोर्न के अप्रवासी हिंदू सम्मेलन में महेंद्र प्रताप सिंह होंगे मुख्य अतिथि : श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को मिला वैश्विक समर्थन

-ऑस्ट्रेलिया से आए प्रतिनिधिमंडल ने हिंदू पक्षकार को सौंपे हस्ताक्षर अभियान के दस्तावेज

-अन्य देशों में भी होंगे कार्यक्रम, तय की जा रही रूपरेखा

(जीएनएस)।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से विस्तार ले रहा है। पांच वर्ष पूर्व शुरू हुआ यह आंदोलन देश-विदेश में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। आंदोलन की गति को देखते हुए इसके वैश्विक स्तर पर फैलने के संकेत मिल रहे हैं। इसीक्रम में ब्राह्मण आस्ट्रेलिया महासभा के अध्यक्ष चंदर शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण के हिंदू पक्षकार एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट को 20 जून को मेलबोर्न (ऑस्ट्रेलिया) में आयोजित अप्रवासी हिंदुओं के विराट सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। वह सम्मेलन के मुख्य अतिथि होंगे।

ग्लोबल सनातन सेवा समिति के अध्यक्ष आजाद शर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रीय महामंत्री विजय प्रभाकर,

सुनील प्रभाकर एवं अनूप कश्यप वृंदावन पहुंचे। उन्होंने श्रीकृष्णा इंटरनेशनल होटल स्थित कैंप कार्यालय पर न्यास अध्यक्ष से भेंट की और ऑस्ट्रेलिया में चलाए गए हस्ताक्षर अभियान के रजिस्टर सौंपे। प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान उनका स्वागत कर तलवार भेंट की। राष्ट्रपति को भेजे जाएंगे दस्तावेज। न्यास अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि हस्ताक्षर अभियान के सभी दस्तावेज राष्ट्रपति को भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि मूल गर्भगृह स्थल पर मंदिर निर्माण की मांग को लेकर वह मेलबोर्न सम्मेलन में भाग लेंगे। कई देशों में होंगे कार्यक्रम। उन्होंने बताया कि भविष्य में स्पेन, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी, न्यूजीलैंड और कनाडा में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में प्रतिनिधिमंडल के सदस्य विजय प्रभाकर ने कहा कि कनाडा लौटते ही कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू कर दी जाएंगी। जन्मभूमि स्थल का किया अवलोकन। आजाद शर्मा ने बताया कि वह विशेष रूप से निमंत्रण देने ऑस्ट्रेलिया से आए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचकर गर्भगृह स्थल के दर्शन किए और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने भव्य मंदिर निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने वृंदावन स्थित चिंतामणि कुंज में पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डा. आदित्यानंद जी महाराज, भगवताचार्य कृष्णचंद्र शास्त्री, राधाबल्लभ मंदिर के महंत मोहित मराल जी महाराज एवं नवल नागरी महाराज और कई अन्य प्रमुख संतों से भेंट कर जन्मभूमि विवाद तथा आंदोलन को गति देने की रणनीति पर चर्चा की। इसी के साथ संत प्रेमानंद जी महाराज से भी आशीर्वाद प्राप्त किया। जल्द निकलेगी बड़ी यात्रा। महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए जल्द ही एक बड़ी यात्रा निकाली जाएगी, जिसकी रूपरेखा लगभग तैयार हो चुकी है तथा शीघ्र ही इसकी घोषणा की जाएगी।

एंटी करप्शन टीम ने सीएमओ ऑफिस में रिश्वत ले रहे बाबू को पकड़ा : स्वास्थ्य विभाग में पनप रहा भ्रष्टाचार

(जीएनएस)।

सीएमओ ऑफिस में मंगलवार को हड़कंप की स्थिति बन गई। एंटी करप्शन टीम ने विकलांग विभाग के बाबू शशिकांत को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। बताते हैं कि एंटी करप्शन टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई करके रिश्वत ले रहे सीएमओ ऑफिस के बाबू को गिरफ्तार किया और तुरंत उसे गाड़ी में बिठाकर अपने साथ ले गई। एंटी करप्शन की कार्रवाई के बाद पूरे स्वास्थ्य विभाग में हलचल का माहौल बना रहा। बताते चलें कि कुछ दिन पहले ही स्वास्थ्य विभाग के एक अन्य कर्मचारी को भी 2 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था, उसके बाद से विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। लगातार एंटी करप्शन की कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी नजर आ रही हैं। कई बार कार्रवाई होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग में हालात सुधार नहीं रहे हैं। अब सीएमओ ऑफिस से रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़े गए बाबू के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली भ्रष्टाचार के दलदल धंसी हुई नजर आ रही है।

अवैध बिजली उपयोग पर सख्ती, दो किसानों पर मुकदमा दर्ज

खखरेरू/फतेहपुर विद्युत विभाग की ओर से क्षेत्र में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत अवैध बिजली उपयोग के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। इस दौरान बिना कनेक्शन के ट्यूबवेल चलाते पकड़े गए दो किसानों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

खखरेरू (कनपुरवा) पावर हाउस के अंतर्गत जेई धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में खखरेरू, दौलतपुर समेत कई गांवों में जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान अहमद अली (खखरेरू) और भैयालाल (दौलतपुर) को बिना वैध कनेक्शन के अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर ट्यूबवेल संचालित करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

चेकिंग टीम ने दोनों के खिलाफ स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध बिजली उपयोग करने वालों में हड़कंप मच गया है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने विभाग की इस कार्रवाई की सराहना की है।

सरसों चोरी मामले में दो नाबालिग किशोर गिरफ्तार

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र के पौली गांव में छत से पीली सरसों चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो दिन के भीतर दो नाबालिग किशोरों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से करीब 30 किलो पीली सरसों बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी नासिर हुसैन पुत्र हामिद हुसैन के घर की छत पर रखी छह बोरी पीली सरसों शनिवार रात अज्ञात चोरों ने पार कर दी थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अमलिया-खैरई मार्ग के पास से अहमद रजा (15) पुत्र मसूक रजा और उसके साथी अहमद रजा उर्फ बूटी (17) पुत्र जुल्फिकार को रविवार दोपहर करीब दो बजे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें किशोर न्यायालय (अपचारी)

यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने ए.आर. रहमान को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा किया

लखनऊ, 24 मार्च 2026: ऑस्कर विजेता संगीतकार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संगीत आइकन ए.आर. रहमान

ने भारतीय संगीत को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी यह प्रेरक यात्रा भारतीय प्रतिभा की वैश्विक क्षमता को दशार्ती है, जो यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की भारत में संगीत संस्कृति को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता से मेल खाती है।

यह साझेदारी भारत के संगीत इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का एक अहम मील का पत्थर साबित होगा ।

यामामोटो ताकेतोशी , मैनेजिंग डायरेक्टर, ने कहा,'संगीत यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सोच के केंद्र में है। भारत की समृद्ध संगीत विरासत को वैश्विक पहचान मिलनी चाहिए। हमारी ह्यमेड इन इंडियाङ्ख पहल और ए.आर. रहमान के साथ सहयोग के माध्यम से हम नई पीढ़ी के संगीतकारों को प्रेरित करना और देशभर में संरचित संगीत शिक्षा का विस्तार करना चाहते हैं।'

रयोजी मारुयामा,सेल्स यूनिट हेड, ने कहा,'हमारा उद्देश्य केवल वाद्ययंत्र उपलब्ध कराना नहीं है। हम कार्यशालाओं, स्कूलों के साथ सहयोग और ग्रामीण पहुंच कार्यक्रमों के

माध्यम से संगीत समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह साझेदारी हर उभरते कलाकार तक संगीत पहुंचाने की हमारी सोच को और मजबूत करती है।'

ए.आर. रहमान ने कहा 'यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हमेशा से गुणवत्ता, सटीकता और विश्वसनीयता का प्रतीक रहा है। मुझे ऐसे ब्रांड के साथ जुड़कर गर्व है जिसकी विरासत संगीत उत्कृष्टता पर आधारित है और जिसका ह्यमेड इन इंडियाङ्ख दृष्टिकोण गुणवत्तापूर्ण वाद्ययंत्रों को अधिक सुलभ बना रहा है। यह पहल मेरे के. एम. म्यूज़िक कंजर्वेटरी और द सनशाइन ऑर्केस्ट्रा में प्रशिक्षित हो रहे युवा प्रतिभाओं को भी लाभ पहुंचा रही है। यदि हम युवा कलाकारों का मार्गदर्शन जारी रखें और संगीत शिक्षा को मजबूत बनाएं, तो भारतीय संगीतकार वैश्विक मंच पर नेतृत्व कर सकते हैं।"

भारत में दीर्घकालिक विकास योजना के अंतर्गत यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अपने 'मेड इन इंडिया' पोर्टफोलियो को लगातार मजबूत कर रही है, जिसमें विशेष रूप से ऑडियो और संगीत वाद्ययंत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि ग्राहकों की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके।

कोतवाली थाना क्षेत्र में बिल्डिंग का मलबा गिरा, राहत कार्य जारी

प्रयागराज

प्रयागराज के कोतवाली थाना क्षेत्र में नवाब की रसोई के पास साउथ मलाका इलाके में एक बिल्डिंग का मलबा अचानक गिर गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मलबे में किसी के दबे होने की आशंका के चलते सर्च अभियान चलाया जा रहा

है।

घटना स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई है, जिससे राहत कार्य में दिक्कतें भी सामने आ रही हैं।

फिलहाल हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से अयोध्या भेजा गया दिव्य प्रसाद : निकाली गई भव्य शोभायात्रा, जय श्रीराम-जय श्रीराधेकृष्ण के गूंजे जयकारे

मथुरा (जीएनएस)। योगीराज प्रभु श्रीकृष्ण की जन्म एवं लीला स्थली मथुरा से सोमवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट ने अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि के लिए भव्य प्रसाद भेजा है। इस अवसर पर बैंड-बाजे, भक्ति संगीत और श्रद्धा के बीच निकाली गई शोभायात्रा ने पूरे नगर को भक्ति के रंग में रंग दिया। जानकारी के अनुसार श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर से सुसज्जित वाहन में प्रसाद को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद अयोध्या धाम के लिए रवाना किया गया। इस मौके पर 11 मन धनिए की पंजीरी, सवा मन लड्डू, पंचमेवा, फल, भगवान श्रीराम के लिए वस्त्र-श्रृंगार और सुगंधित दिव्य सामग्री भेजी गई। इस अवसर पर प्रसाद यात्रा अन्न सेवा धाम से प्रारंभ होकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और श्री

राधा-कृष्ण के सजीव स्वरूपों के साथ निकाली गई। इस बीच भक्त नाचते-गाते हुए राधे-राधे और जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए केशव देव मंदिर और भागवत भवन के दर्शन करते हुए यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महंत एवं सनातन धर्म के लोग मौजूद रहे, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस मौके पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण एक ही दिव्य शक्ति के दो स्वरूप हैं। कहा कि यह आयोजन सनातन धर्म की एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में आयोजित भव्य रामनवमीं महोत्सव के लिए यह प्रसाद विशेष रूप से भेजा जा रहा है, जिसे रामलला के जन्मोत्सव पर अर्पित किया जाएगा। सचिव कपिल शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि केवल प्रसाद ही नहीं, बल्कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सिद्धहस्त हलवाई और कारीगर भी अयोध्या भेजे गए हैं। यह कारीगर, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की रसोई में अपने हाथों से ठाकुरजी के लिए विशेष धनियां की पंजीरी और अन्य भोग तैयार करेंगे। उन्होंने इसे अध्यात्म की त्रिवेणी बताते हुए कहा कि जिस प्रकार जन्माष्टमी पर अयोध्या और काशी से मथुरा प्रसाद आता है, उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब मथुरा से अयोध्या के लिए यह सौगात भेजी गई है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन श्रीराम, श्रीकृष्ण और शिव की एकात्मकता का जीवंत उदाहरण बनकर सनातन धर्म की जड़ों को और अधिक सशक्त करता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

ईरान की दादागिरी के साए में एलपीजी की दिक्कत के प्रति सर्तक भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में जानकारी दी कि पामि एशिया में छिड़े संघर्ष के कारण मौजूदा संकट से निबटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आंकलन कर सुझाव देंगे। प्रधानमंत्री ने और स्पष्ट करते हुए कहा कि पिछले तीन सप्ताह से चल रहे इस युद्ध के कारण दुनिया ऊर्जा एवं रास्ते के संकट से जूझ रही है।

दरअसल सोमवार को भी प्रधानमंत्री ने लोकसभा में पामि एशिया में तनाव के बीच बढ़ती पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस और उर्वरक की मुश्किलों का उल्लेख किया था। साथ ही यह भी कहा था कि भारत होर्मुज स्ट्रेट पर ही निर्भर नहीं है। भारत 41 देशों से बात ऊर्जा आयात कर रहा है। इससे पहले पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पत्रकारों को बताया था कि भारत अपने गैस एवं तेल आयात का 70 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के बाहर से आयात करता है। इसका मतलब है कि दुनिया के उन तमाम देशों में आपूर्ति पर होर्मुज स्ट्रेट में हो रही कार्रवाईयों पर चिन्ता है। किन्तु दुनिया की चिन्ताओं का ईरान पर कोई प्रभाव पड़ते नहीं दिख रहा है। ईरान तो रणनीति के तहत ही होर्मुज स्ट्रेट में झंडा लगे जहाजों को रोक कर दबाव बना रहा है।

बातचीत करने पर भारत के जहाजों को तो छोड़ देता है किन्तु उनकी संख्या बहुत कम है। भारत रूस और अमेरिका से भी तेल और गैस ले रहा है। मतलब यह है कि यदि होर्मुज स्ट्रेट को नजरंदाज करना पड़े तो सरकार ने ऐसा समझकर ही वैकल्पिक मार्गो का चयन पहले ही कर लिया था। देश की जनता को जब इस वास्तविकता की जानकारी हो गई तो हायतौबा मचाने वालों की संख्या और उनकी आवाज में भी कमी आ गई।

असल में वुछ लोगों ने अफरातफरी मचाने के लिए ही अफवाहों का सहारा लिया और परिणाम यह हुआ कि जिन लोगों के पास पीएनजी कनेक्शन था वे लोग भी सिलेंडर खरीदने व भरवाने के लिए सड़कों पर उतरे हुए दिखे। इससे अफरातफरी मची और वुछ लोगों को यह भी कहते सुना गया कि जब ऐसी स्थिति यानि ईरान के खिलाफ इजरायल और अमेरिका के हमलों का बना हुआ था तो भारत को पहले ही अपने लिए तेल व गैस की आपूर्ति की व्यवस्था कर लेनी चाहिए थी।

यह सच है कि भारत तेल और गैस का विशाल उपभोक्ता बाजार है, इसलिए संकरे समुद्री गलियारे में ईरान की दादागिरी के साए में तो कदापि अपनी जरूरतों की पूर्ति नहीं कर पाता। इसलिए भारत ने यह अच्छा किया कि दूसरे ऐसे देशों से आयात करने की व्यवस्था की जिनका मार्ग होर्मुज स्ट्रेट से नहीं था। किन्तु इस वैकल्पिक मार्ग में देरी होने की संभावना है। अब जैसे यूरोप या अमेरिका से तेल-गैस मंगाने पर 20 से 25 दिन लग सकता है जबकि कतर, सऊदी अरब से मंगाने पर तो एक सप्ताह का ही समय लगता है। इसलिए होर्मुज स्ट्रेट से तेलगैस की आपूर्ति जल्दी हो जाती है किन्तु देर से ही सही यदि भारत ने वैकल्पिक मार्गो से तेल-गैस आयात करने का एक बार सिस्टम विकसित कर लिया तो निाित रूप से सप्लाई चेन का फायदा मिलेगा और लोग सड़कों पर नहीं उतरेंगे। बहरहाल प्रधानमंत्री ने दोनों सदनों में पामि एशिया में संघर्षो के कारण उत्पन्न संकट के दौरान भारत की मुश्किलों एवं उससे मुक्ति पाने की जो उम्मीद जताई है, वह बिल्वुल उचित एवं आवश्यक थी।

कई किसानों की आय दोगुनी हुई- संसद में श्री शिवराज सिंह चौहान ने दी जानकारी

किसानों को पसीने की पूरी कीमत देने के लिए प्रतिबद्ध है मोदी सरकार- लोक सभा में बोले केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

हमारी सरकार ने किसानों को लागत + 50% एमएसपी दिया: श्री शिवराज सिंह

दलहन-तिलहन से फल-सब्ज़ियों तक, हर फसल पर किसान हित में ठोस सुरक्षा-कवच- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

पीएम-आशा, फसल बीमा और भावांतर से किसानों की आय सुरक्षित, हर संकट में अन्नदाता के साथ मोदी सरकार- श्री शिवराज सिंह चौहान

रिकॉर्ड एमएसपी खरीदी, सीधी मदद और डिजिटल फार्मर आईडी से किसानों को त्वरित राहत- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

हर हाल में किसान को उचित दाम मिलेगाझ लोकसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने जताई प्रतिबद्धता

(जीएनएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हर परिस्थिति में किसानों को उनकी उपज का उचित दाम दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और अन्नदाता को संकट से उबारने के लिए किसी भी स्तर पर कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर रिकॉर्ड खरीदी, पीएम-आशा, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भावांतर भुगतान और मार्केट इंटरवेंशन स्कीम जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से किसान की आय को मजबूत सुरक्षा-कवच प्रदान किया है और किसानों की आय दोगुनी हुई है।

लोकसभा में सांसदों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और उनके हितों की रक्षा के लिए श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बीते वर्षों में कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि कृषि उत्पादन में लगभग 44 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और किसानों की उत्पादकता तथा आमदनी को समानांतर रूप से बढ़ाने का व्यापक अभियान चलाया गया है। श्री चौहान ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने के नाम पर सिर्फ बहाने बनाए गए, यहाँ तक कि यह तक कहा गया कि लागत से 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी देने से बाजार विकृत हो जाएगा। इसके विपरीत, श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत लाभ को ध्यान में रखकर न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने का निर्णय लिया और लगातार उसे लागू किया है, जिससे किसान को उसकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिल सका है।

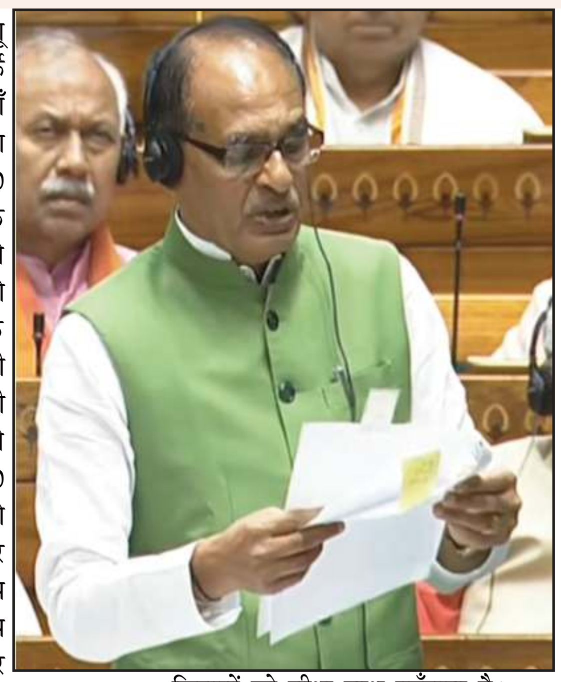

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने स्पष्ट किया कि केवल एमएसपी घोषित कर देना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उस पर वास्तविक खरीदी कराना ज्यादा महत्वपूर्ण है और इस दिशा में सरकार ने गेहूँ, धान, दलहन और तिलहन के साथ-साथ विभिन्न फसलों की एमएसपी पर रिकॉर्ड खरीदी कर किसानों को सीधा लाभ पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार सिर्फ अनाज तक सीमित नहीं रही, बल्कि दलहन, तिलहन, फल और सब्ज़ियों तक के लिए भी सक्रिय हस्तक्षेप कर रही है ताकि किसी भी फसल के दाम गिरने पर किसान को नुकसान न उठाना पड़े। श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियानझ पीएम-आशा योजना, प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है जिसके अंतर्गत उन फसलों को सुरक्षा दी जाती है जिनके दाम अक्सर एमएसपी के नीचे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम-आशा के तहत तीन प्रकार की व्यवस्थाएँ बनाई गई हैंझ प्राइस सपोर्ट स्कीम के माध्यम से दलहन और तिलहन की सीधी खरीद, मूल्य-अंतर भुगतान व्यवस्था के जरिए एमएसपी और बाजार भाव के बीच की खाई को पाटना, और जरूरत पड़ने पर अन्य माध्यमों से भी किसानों को संरक्षण देना।

महाराष्ट्र के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने बताया कि हाल की प्राकृतिक आपदाओं के समय राज्य सरकार ने केंद्र की नीति-समर्थित डिजिटल व्यवस्था का भरपूर उपयोग किया और मात्र पाँच दिनों के भीतर फार्मर आईडी के माध्यम से 14,000 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खाते में भेजकर त्वरित राहत पहुँचाई। उन्होंने कहा कि एक ओर राज्य सरकारें एसडीआरएफ जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से फसल-क्षति की भरपाई करती हैं, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को बीमा-कवरेज और मुआवजा दिलाने में कोई कमी नहीं छोड़ रही है।

श्री चौहान ने सोयाबीन सहित दलहन और तिलहन की फसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि दाम गिरने की स्थिति में सरकार केवल खरीद पर निर्भर नहीं रहती बल्कि भावांतर जैसी व्यवस्था के माध्यम से एमएसपी और बाजार भाव के बीच की पूरी की पूरी राशि सीधे किसान के खाते में डालने का विकल्प भी अपनाती है। उन्होंने मध्य प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहाँ भावांतर भुगतान योजना के जरिए बिना लाइन में लगवाए, बिना अतिरिक्त लॉजिस्टिक लागत के, किसानों की आय को संरक्षण दिया गया है, और यही मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरक है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि सरकार ने मार्केट इंटरवेंशन स्कीम (एमआईएस) के माध्यम से जल्दी खराब होने वाले फल और सब्ज़ियों के लिए भी एक मॉडल रेट तय कर, या तो सीधे खरीद की व्यवस्था की है या फिर मॉडल रेट और बाजार भाव के अंतर को किसान के खाते में जमा करने का निर्णय किया है।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नोएडा ने मथुरा में यूरो-ऑन्कोलॉजी और गायने कैंसर ओपीडी सेवाएं की प्रारंभ

(जीएनएस)। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नोएडा) ने अमर हेल्थकेयर में अपनी यूरो-ऑन्कोलॉजी और गायने-ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरूआत कर दी है। ओपीडी सेवा का शुभारंभ मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के यूरो-ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक सर्जरी एवं एंडोयूरोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डा. पंकज वाधवा और फीमेल यूरोलॉजी, गायने-ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डा. द्वीप जिंदल की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर अमर हेल्थकेयर (मथुरा) के डायरेक्टर डा. संजय सूद और डा. मीना सूद भी मौजूद रहे। अब माह के प्रत्येक तीसरे मंगलवार को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक डा. पंकज वाधवा और डा. द्वीप जिंदल, अमर हेल्थकेयर में मरीजों के लिए परामर्श और फॉलो-अप के लिए उपलब्ध रहेंगे। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नोएडा) के यूरो-ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक सर्जरी एवं एंडोयूरोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डा. पंकज वाधवा ने कहा कि रोबोटिक टेक्नोलॉजी ने किडनी, ब्लैडर, प्रोस्टेट और एड्रिनल ग्लैंड से जुड़े कैंसर के इलाज के तरीके को काफी बेहतर बना दिया है। कहा कि इसकी मदद से हाई

प्रिसिशन और पेशेंट-सेंट्रिक केयर दे पा रहे हैं। यूरो-ऑन्कोलॉजी में उनकी विशेषज्ञता के चलते मैक्स हॉस्पीटल में मिनिमली इनवेसिव ट्रीटमेंट ऑप्शंस प्रदान होता है। प्रोस्टेट, किडनी और ब्लैडर से जुड़े ऑपरेशंस में रोबोटिक्स बेहतर विजुअलाइजेशन एवं सटीकता देता है, जिससे कैंसर को प्रभावी तरीके से हटाया जा सकता है और इसके साथ ही जरूरी स्ट्रक्चर्स तथा फंक्शन्स सुरक्षित रहते हैं। इससे मरीजों की रिकवरी तेज होती है और कॉम्प्लिकेशन्स कम होते हैं तथा उनकी क्वालिटी ऑफ लाइफ बेहतर होती है। वहीं मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नोएडा) के फीमेल यूरोलॉजी, गायने-ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डा. द्वीप जिंदल ने कहा कि कई महिलाएं व्यस्त दिनचर्या या जागरूकता की कमी के कारण शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देती हैं, जबकि कैंसर के मामलों में देरी, रिस्क को काफी बढ़ा सकती है। बताया कि फीमेल यूरोलॉजी में भी रोबोटिक्स के प्रयोग से काफी प्रगति हुई है, जिससे यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस और पेल्विक ऑर्गन प्रोलैप्स जैसी समस्याओं का इलाज बेहतर हुआ है। कहा कि रोबोटिक सर्जरी मिनिमली इनवेसिव अप्रोच के साथ बेहतर एनाटॉमिकल रिजल्ट देती है। एंडोमेट्रियल कैंसर और ओवेरियन कैंसर के लिए एचआईपीईसी जैसी प्रक्रियाओं में भी रोबोटिक्स का इस्तेमाल बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन समर्पित ओपीडी सेवाओं की शुरूआत के माध्यम से उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गायनेकोलॉजिकल कैंसर और यूरोगायनेकोलॉजी से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहीं महिलाओं को समय पर डायग्नोसिस, सटीक इलाज और संवेदनशील देखभाल मिल सके। कहा कि मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नोएडा) एडवांस्ड कैंसर केयर के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान को लगातार और सुदृढ़ कर रहा है। रोबोटिक सर्जरी में महत्वपूर्ण प्रगति के साथ अस्पताल अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, प्रिसिशन-ड्रिवन सर्जिकल सिस्टम्स और अनुभवी क्लिनिकल टीम से लैस है। बताया नहीं निरंतर अपग्रेडेशन और स्पेशलाइज्ड सेवाओं के माध्यम से, मैक्स हॉस्पिटल सभी मरीजों को वर्ल्ड-क्लास केयर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टीबी मुक्त हो देश हमारा-रैली में जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ दौड़े केएम चिकित्सक : जागरूकता रैली का झंडी दिखाकर जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

-केएम अस्पताल में डिप्टी सीएमओ ने टीबी मरीजों को वितरित किए पोषण बैग

-टीबी दिवस पर केएम विश्वविद्यालय में हुए विविध जन जागरूकता कार्यक्रम

-डिप्टी सीएमओ ने सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए चलाई जा रही कार्यक्रमों की दी जानकारी

-टीबी एक दूसरे से फैलता है, यह टीबी शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है : कुलपति

(जीएनएस)। विश्व क्षय दिवस (24 मार्च) के अवसर पर केएम विश्वविद्यालय के मेडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल के क्षय रोग विभाग द्वारा अस्पताल में तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत जागरूकता संगोष्ठी, जनजागरूकता रैली, पोस्टर व नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मैराथन दौड़ का शुभारंभ झंडी दिखाकर जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी किया और स्वयं भी चिकित्सक, यूजी-पीजी और सैकड़ों एमबीबीएस छात्र-छात्राओं के साथ रैली में सहभागिता करके सभी का उत्साहवर्धन किया। इसके उपरांत विवि में विश्व टीबी दिवस की थीम ह्यह्यहां हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं (यस वी केन ऐंड टीबी) पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में

सबसे पहले मुख्य अतिथि स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सीएमओ डा. गोपाल बाबू गर्ग, विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति समेत अन्य अतिथियों का क्षय रोग विभाग के चिकित्सकों ने शॉल उड़ाकर और श्रीराधाकृष्णा की प्रतिमा एवं फुल के बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों समेत अस्पताल के मेडीकल सुप्रीडेंट डा. आरपी गुप्ता, एडीशनल मेडीकल सुप्रीडेंट डा. नमित गौतम, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे, नेत्र रोग विभाग के एचओडी डा. एमके तनेजा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं समेत बॉयोलॉजी विभाग के प्रो. डा. दिनेश कुमार, मेडीसन के सीनियर रेसीडेंस डा. निशांत मलिक एवं स्त्री रोग विभाग की सीनियर रेजीडेंटस डा. ऐश्वर्या त्रिपाठी को प्रशिस्त पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। वहीं अतिथियों के द्वारा 50 टीबी मरीजों को पोषण बैग वितरित किए गए। मुख्य अतिथि डिप्टी सीएमओ डा. गोपाल बाबू गर्ग ने कहा कि टीबी मरीजों को समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। उन्हें नियमित अपने वजन, हीमोग्लोबिन, बलगम की जांच कराके दवा का सेवन करना है। क्षय मरीजों को समय पर दवा का सेवन करने और सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई। पहले टीबी के मरीज अस्पताल जाने से डरते थे, लेकिन सरकार के अहम कदम से आज टीबी बीमारी समाप्ति की ओर है। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर 2030 तक भारत टीबी मुक्त हो जायेगा। इसीक्रम में विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा कि टीबी का इतिहास पुराना है, हमारा प्रयास सदा इसे समाप्त करने में रहेगा। टीबी एक दूसरे से फैलता है, यह टीबी शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। कहा कि आधुनिक तकनीकों की मदद से अब मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट टीबी का पता महज 90 मिनट में लगाया जा सकता है। नियमित रूप से दवाएं लेने पर टीबी पूरी तरह से ठीक हो सकती है। वहीं टीबी चेस्ट की सीनियर रेसींडेंस डा. मणी तिवारी ने कहा कि टीबी सबसे सकारात्मक बीमारी है, जो हवा के जरिए फैलती है, छाती के अलावा शरीर के किसी भी हिस्से को टीबी प्रभावित कर सकती है, खांसी, पसीना, भूख न लगना, सिर में दर्द, पेट फूलना जैसी तकलीफ अगर दो सप्ताह से अधिक है तो जांच कराएं, पूरा इलाज ही टीबी से मुक्त करा सकता है। उन्होंने कहा कि टीबी से डरे नहीं, नजरांदाज न करें।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त में महानियंत्रक संचार लेखा की दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्र समीक्षा बैठक का समापन हुआ

(जीएनएस)। दूरसंचार विभाग के महानियंत्रक संचार लेखा (सीजीसीए) कार्यालय ने महानियंत्रक संचार लेखा सुश्री वंदना गुप्ता की अध्यक्षता में 23-24 मार्च 2026 को नई दिल्ली के घिटोरनी में राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त (एनसीए-एफ) में पूर्वी क्षेत्र समीक्षा बैठक का आयोजन किया।

पूर्वी क्षेत्र की फील्ड इकाइयों के प्रदर्शन और प्रगति की समीक्षा करने और प्रमुख कार्यात्मक क्षेत्रों में समन्वय को मजबूत करने के लिए बैठक का आयोजन किया गया था।

पूर्वी क्षेत्र में कोलकाता, बिहार, असम, झारखंड, उत्तर पूर्व-क् पश्चिम बंगाल और उत्तर पूर्व-क्क की फील्ड इकाइयां शामिल हैं। इस समीक्षा बैठक में प्रधान सीसीए/सीसीए सहित वरिष्ठ अधिकारियों और इन सर्किलों के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

दो दिवसीय बैठक के दौरान प्रशासन, पेंशन, आंतरिक लेखा परीक्षा, राजस्व प्रबंधन और डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) से संबंधित गतिविधियों सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा हुई। फील्ड इकाइयों ने राजस्व निर्धारण, भ्रष्टाचार की रोकथाम, पेंशन सेवा वितरण और आंतरिक लेखा परीक्षा तंत्र को मजबूत करने के क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों, चुनौतियों और चल रहे कार्यों को प्रस्तुत किया।

यह उल्लेखनीय है कि पूर्वी क्षेत्र सामूहिक रूप से लगभग 350 दूरसंचार लाइसेंसधारियों और प्राधिकरणों का प्रबंधन करता है, लगभग 4,000 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व संग्रह संभालता है और रउअटढअठठ प्लेटफॉर्म के माध्यम से 60,000 से अधिक पेंशनभोगियों को पेंशन सेवाएं प्रदान करता है, जो इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण परिचालन और सेवा वितरण जिम्मेदारियों को दर्शाता है।

डीबीएन मुख्यालय के प्रतिनिधियों के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें परिचालन और कार्यान्वयन संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई और क्षेत्रीय इकाइयों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

बैठक में सभी सर्किलों में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, लेखा परीक्षा संबंधी टिप्पणियों का समय पर समाधान करने, राजस्व निगरानी को मजबूत करने और पेंशनभोगियों और हितधारकों को बेहतर सेवा प्रदान करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

भारतीय रेल ने 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' के तहत पाँच नए सुधारों की घोषणा की; माल ढुलाई, निर्माण और यात्रियों की सुविधा पर बल

(जीएनएस)। रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज घोषणा की कि 2026 के दौरान सुधार करने के भारतीय रेल के संकल्प के अनुरूप, पाँच नए सुधारों को स्वीकृति दी गई है। इन नए सुधारों की मंजूरी के साथ, वर्ष 2026 के लिए सुधारों की कुल संख्या नौ हो गई है।

श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्तमान 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पहल के तहत, चार सुधारों की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी और अब पाँच नए सुधार पेश किए जा रहे हैं। इन पाँच नए सुधारों में से दो माल ढुलाई से, एक निर्माण से और दो यात्रियों की सुविधा से संबंधित हैं।

नमक के परिवहन में सुधार

पांचवां सुधार नमक के परिवहन पर केंद्रित है। इसके बारे में श्री वैष्णव ने कहा कि भारत दुनिया में नमक के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। नमक का उत्पादन करने वाले तीन प्रमुख राज्य तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान हैं। भारत में सालाना उत्पादित होने वाले लगभग 35 मिलियन टन नमक में से, लगभग 9.2 मिलियन टन प्रति वर्ष रेल द्वारा पहुँचाया जाता है, जो महत्वपूर्ण और ऐसा अवसर है जिसका अब तक उपयोग नहीं किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नमक के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी उसके उपयोग के अनुसार अलग-अलग होती है – औद्योगिक नमक के लिए यह लगभग 25 प्रतिशत है, और मानव उपभोग के लिए इस्तेमाल होने वाले नमक के लिए यह लगभग 65 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे द्वारा पहुँचाए जाने वाले कुल नमक का 62 प्रतिशत हिस्सा 1,000 से 2,500 किलोमीटर की दूरी तय करता है, जिससे यह खंड रेल परिवहन के लिए बेहद उपयुक्त बन जाता है।

श्री वैष्णव ने कहा कि नमक उत्पादकों और ट्रांसपोर्टरों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया ताकि इस क्षेत्र की चुनौतियों को समझा जा सके। इस अध्ययन में कई प्रमुख समस्याओं की पहचान की गई, जिनमें वैगनों का अनुपयुक्त डिजाइन, नमक के कारण वैगनों में जंग लगना, तिरपाल से ढके होने के बावजूद खुले वैगनों में पानी का रिसाव होना, और सामान की कई बार लोडिंग-अनलोडिंग (हैंडलिंग) के कारण लागत में वृद्धि और नुकसान होना शामिल हैं।

इन समस्याओं को हल करने के लिए अब स्टेनलेस स्टील से बना, ऊपर से लोड होने वाला और बगल से खाली होने वाला कंटेनर सिस्टम सफलतापूर्वक विकसित किया गया है।

कलम की अस्मिता और पत्रकारिता के नए सूर्योदय का आह्वान

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति पुनर्गठन 2026 एक वैचारिक युद्ध,

आज के संक्रमण काल में पत्रकारिता केवल एक पेशा या आजीविका का साधन मात्र नहीं रह गई है, बल्कि यह कांटों भरी उस राह का नाम है जहाँ हर कदम पर सिद्धांतों की परीक्षा होती है। जब सत्ता का रसूख अपनी सीमाओं को लांघने लगे और प्रशासनिक दबाव निष्पक्ष आवाजों के गले घोंटने की कोशिश करे, तब लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ को किसी पदलोलुप नेता की नहीं, बल्कि एक ऐसे सारथी की जरूरत होती है जो निर्भीक होकर चट्टान की तरह पत्रकारों के हितों के सामने खड़ा रहे।

विडंबना देखिए, अक्सर चुनाव के वक्त बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन पद की कुर्सी मिलते ही वही लोग अपनों को भूल जाते हैं। व्यवस्था के साथ तालमेल बैठाकर कलमकारों का ही शोषण करना एक आम दस्तूर बन गया है। मगर हमें यह समझना

होगा कि चुनाव जीतना केवल एक राजनीतिक कला हो सकती है, लेकिन पत्रकारों के मान-सम्मान और उनके स्वाभिमान के लिए सीना तानकर प्रशासन से टकरा जाना एक अलग ही जज्बा है।

यह जज्बा, यह तेवर और यह बेबाकी आज सुल्तान शहरयार खान की पहचान बन चुकी है। वे केवल अध्यक्ष पद के एक उम्मीदवार मात्र नहीं हैं, बल्कि वे उस अटूट विश्वास का प्रतीक हैं जिसने हर अंधेरी रात में पत्रकारों की मशाल को रोशन रखा है। उनका नेतृत्व केवल एक पद का परिवर्तन नहीं, बल्कि पत्रकारिता की गरिमा को उसकी खोई हुई ऊंचाइयों तक वापस ले जाने का एक संकल्प है।

इस मिशन को और अधिक ऊर्जावान बनाने के लिए हमारे पास परवेज अख्तर जैसा युवा और जुझारू चेहरा है। संयुक्त सचिव के पद पर उनकी दावेदारी इस बात का प्रमाण है कि नई पीढ़ी के पत्रकारों में न केवल जोश है, बल्कि अपने वरिष्ठों के प्रति सम्मान और साथियों के प्रति अटूट निष्ठा भी है। परवेज की ऊर्जा और जुझारूपन आने वाले समय में पत्रकारों की नई और सशक्त आवाज बनने की पूरी क्षमता रखता है।

मैं आप सभी प्रबुद्ध पत्रकार साथियों, कलम के सिपाहियों और शुभचिंतकों से पुरजोर अपील करता हूँ कि परिवर्तन और न्याय के इस महाकुंभ में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के इस चुनाव में अपना बहुमूल्य वोट सुल्तान शहरयार खान (अध्यक्ष पद) और परवेज अख्तर (संयुक्त सचिव पद) के पक्ष में देकर उन्हें ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाएं।

याद रखिये, आपका एक वोट केवल एक बैलेट पेपर का टुकड़ा नहीं है, बल्कि हमारी सामूहिक शक्ति, हमारे सुरक्षित भविष्य और पत्रकारिता की निष्पक्षता की मजबूत नींव है।

आइये, एकजुट होकर एक नए युग की शुरूआत करें!

महिला सशक्तिकरण सम्मान समारोह का आयोजन

लखनऊः अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शिवी शिल्पग्राम के सौजन्य से रविवार को महिला सशक्तिकरण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 15 मार्च 2026 को संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री सम्मानित, भोजपुरी की प्रसिद्ध कंठकोकिला एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित कजरी गायिका उर्मिला श्रीवास्तव रहीं। कार्यक्रम की आयोजिका पुनीता भटनागर थीं, जो आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी जागरण मंच की ब्रैंड एंबैसडर होने के साथ-साथ शिवी शिल्पग्राम की संस्थापक भी हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रतिभा बालियान द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. सुमन मणि त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल एवं प्रशस्ति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस प्रकार के आयोजन महिलाओं को समाज में आगे बढ़ने और सशक्त बनने की प्रेरणा देते हैं।

मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(जीएनएस)। पीलीभीत

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में मिशन शक्ति 5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत दिनांक 23 मार्च 2026 को विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत महिला कल्याण विभाग से हब की टीम द्वारा एक सार्वजनिक स्थान पर महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, कानूनी सहायता तथा सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना था। विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम ने महिलाओं को पीड़ित होने पर उपलब्ध सहायता सेवाओं, जैसे हेल्पलाइन नंबर, विधिक सहायता और त्वरित न्याय प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महिला कल्याण विभाग की हब टीम ने मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए नारे, स्लोगन और पंपलेट वितरण के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं, बालिकाएं और ग्रामीण शामिल हुए, जिन्होंने सक्रिय भागीदारी निभाई। आयोजकों ने बताया कि यह अभियान महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन ने इस पहल की सराहना करते हुए अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है।

पीलीभीतः एसपी ने जनसुनवाई में सुनीं शिकायतें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जनशिकायतों के त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान एसपी ने उपस्थित जनता की शिकायतें धैर्यपूर्वक सुनीं तथा सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के स्पष्ट निर्देश दिए।

जनसुनवाई में विभिन्न प्रकार की शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें कानून-व्यवस्था, पारिवारिक विवाद, भूमि संबंधी मुद्दे एवं अन्य सामाजिक समस्याएं शामिल रहीं। एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिले। इस पहल से आमजन में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान ही पुलिस का मुख्य उद्देश्य है। वे नियमित रूप से ऐसी सुनवाई आयोजित करेंगे ताकि कोई शिकायत लंबित न रहे। इस अवसर पर थाना प्रभारी, एसआई एवं अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

27 से 29 मार्च तक लगेगा श्री रामनवमी मेला, तैयारियां पूरी

(जीएनएस)।

पीलीभीत (बरखेड़ा): कस्बा बरखेड़ा में हर वर्ष की भांति इस बार भी श्री रामनवमी के अवसर पर तीन दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 27 मार्च से 29 मार्च तक बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ आयोजित होगा।

मेले का शुभारंभ 27 मार्च को ठाकुरद्वारा मंदिर से रामायण पाठ के साथ किया जाएगा। इस दौरान भगवान श्रीराम की आकर्षक झांकियों के साथ शोभायात्रा पूरे कस्बे में निकाली जाएगी, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगी।

मेले में दिन के समय बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, खेल-तमाशे और मनोरंजन के साधन उपलब्ध रहेंगे, वहीं शाम और रात्रि में श्रीकृष्णा ग्राउंड में धार्मिक नाटक एवं लीला का मंचन किया जाएगा। दूर-दराज से आने वाले व्यापारियों द्वारा विभिन्न प्रकार की दुकानें भी सजाई जाएंगी, जिससे मेले का माहौल और भी जीवंत हो जाएगा।

मेला समिति के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन की पर्याप्त तैनाती की जाएगी। समिति ने लोगों से अपील की है कि मेले में किसी भी प्रकार के हथियार लेकर न आएं तथा अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल (साइकिल स्टैंड) पर ही खड़े करें।

मेले को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

सिपाही ने सरकारी खलिहान पर बनाया अवैध गैराज, ग्रामीणों में रोष

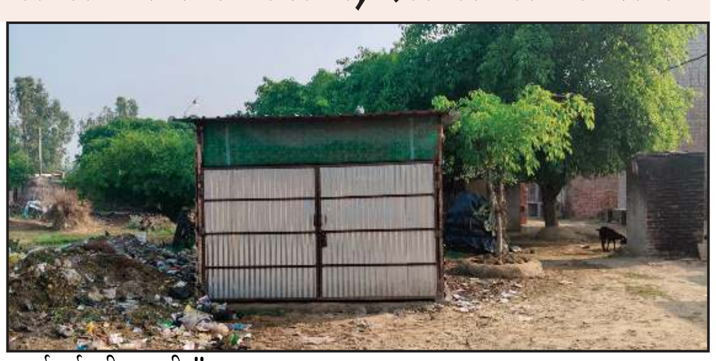

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम महादेवा में एक पुलिस सिपाही जाकिर अली पर सरकारी खलिहान की जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगा है। पुलिस में तैनात सिपाही जाकिर अली ने अपनी गाड़ी खड़ी करने के लिए इस जमीन पर गैराज बना लिया है।ग्रामीणों के अनुसार, सिपाही ने खलिहान की भूमि पर बने रास्ते को भी अवरुद्ध कर दिया है, जिससे गांव वालों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। विरोध करने पर सिपाही कथित तौर पर वर्दी की धौंस दिखाकर उन्हें धमका रहा है। महादेवा गांव में इस घटना से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश फैल गया है।नायब तहसीलदार वीरपाल यादव से बातचीत में उन्होंने कहा, "यह मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।"

ऐप्जा संगठन का गठन, पत्रकारों को सौंपी गई अहम जिम्मेदारियां

(जीएनएस)।

पीलीभीत (बरखेड़ा): कस्बा बरखेड़ा के रामलीला मैदान में पत्रकार संगठन ऐप्जा का भव्य गठन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पत्रकारों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों पर मनोनयन किया गया।

कार्यक्रम में संगठन के चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी, मंडल अध्यक्ष अनुज सक्सेना एवं जिला उपाध्यक्ष अभिषेक पांडे ने संयुक्त रूप से कार्यकारिणी की घोषणा की। सर्वसम्मति से जितेंद्र सैनी को ब्लॉक अध्यक्ष, अतुल त्रिवेदी को महामंत्री, हरिशंकर शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अवधेश गुप्ता को उपाध्यक्ष, सेठ मोहम्मद अनस को मीडिया प्रभारी, अखिलेश शर्मा को महासचिव, प्रेम शंकर को सचिव तथा मनीष गंगवार को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। वहीं अनिल कुमार को बरखेड़ा ब्लॉक का सचिव मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर अनुराग शास्त्री ने कहा कि संगठन पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करता आया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी पत्रकार के साथ खबर प्रकाशित करने को लेकर पुलिस या प्रशासन द्वारा कोई अनुचित व्यवहार किया जाता है, तो संगठन इसका पुरजोर विरोध करेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से करने तथा संगठन को मजबूत बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

बरखेड़ा में गूंजा भक्ति का स्वर, हिंदू महासभा के तत्वावधान में विशाल हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

(जीएनएस)।

क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और भक्ति के माहौल के बीच हिंदू महासभा ने अपने संगठन के विस्तार की दिशा में सक्रिय कदम बढ़ा दिए हैं। इसी क्रम में ग्राम विक्रमपुर निवासी गंगा प्रकाश मौर्य को नगर अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के उपलक्ष्य में एक भव्य धार्मिक आयोजन का आयोजन किया गया, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया।

नवरात्रि के पावन अवसर पर विक्रमपुर स्थित प्राचीन ब्रह्मदेव मंदिर परिसर में हिंदू महासभा के तत्वावधान में विशाल हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकालीन पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पूरे मंदिर परिसर में गूंजते भक्ति गीत, मंत्रोच्चार और जयकारों ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को भव्य रूप प्रदान किया।

कार्यक्रम में हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष पंकज शर्मा सहित जिले के कई पदाधिकारी और क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष पंकज शर्मा ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कृति और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने और युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने आगे बताया कि हिंदू महासभा द्वारा जिले के प्रत्येक गांव में इसी प्रकार के हनुमान चालीसा पाठ और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो सके।

नवनियुक्त नगर अध्यक्ष गंगा प्रकाश मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन उनके लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों का प्रतीक है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, पदाधिकारियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की नीतियों के अनुरूप कार्य करने तथा समाज सेवा एवं धर्म प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर हिंदू महासभा बरखेड़ा नगर इकाई के पदाधिकारियों की विशेष भागीदारी रही। इनमें नगर संरक्षक पंडित रामपाल उपाध्याय, नगर महामंत्री यज्ञस्वरूप गंगवार, वरिष्ठ नगर उपाध्यक्ष रामपाल मौर्य, प्रदीप भटनागर, नरेंद्र श्रीवास्तव, हरीश मौर्य, इंद्रपाल गंगवार, करन शर्मा, टाकन लाल मौर्य, प्रमोद कुमार मौर्य, राजबीर पाल, अनमोल श्रीवास्तव, शिवम मौर्य (नगर मीडिया प्रभारी), रंजीत श्रीवास्तव, नगर कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र मौर्य, नेकपाल राणा एवं गुड्डू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

साथ ही, इस आयोजन में हिंदू महासभा बीसलपुर नगर इकाई की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। बीसलपुर के नगर अध्यक्ष सुनील अवस्थी, वरिष्ठ नगर उपाध्यक्ष अनूप शर्मा तथा युवा नगर महामंत्री प्रतीक ठाकरे विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस आयोजन को संगठन की मजबूती और धार्मिक जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को बढ़ावा देने की बात कही।

कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, श्रद्धा और सौहार्द का वातावरण बना रहा, जिससे यह कार्यक्रम क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया।

जिला स्तरीय ईसीसी रिसोर्स सेंटर का हुआ भव्य उद्घाटन।

(जीएनएस)।

पीलीभीत /बीसलपुर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बीसलपुर पीलीभीत में 24 मार्च 2026 को जनपद स्तरीय मॉडल बाल वाटिका का उद्घाटन माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शिव कुमार गंगवार जी के कर कमलों द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया तत्पश्चात मॉडल बालवाटिका का अवलोकन कर जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा बालवाटिका की सुंदर पेंटिंग एवं व्यवस्था की प्रशंसा की गई। प्राचार्य श्री दरवेश कुमार जी द्वारा बताया गया कि जनपद पीलीभीत की डाइट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत नामित की गई है जिस कारण डाइट में आने वाले समय में बहुत से नए विकास कार्य देखने को मिलेंगे। ईसीसी की जिला स्तरीय नोडल श्रीमती आशा सुमन प्रवक्ता ने बताया कि 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए प्री प्राइमरी एजुकेशन के अंतर्गत आंगनबाड़ी बाल वाटिका का कार्य किया जाता है जिसके अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका सहयोग प्रदान करती हैं परंतु शासन की ओर से शिक्षण कार्य में सहयोग हेतु ईसीसी एजुकेटर्स की भर्तियां की गई है इस हेतु शासन की ओर से जिला स्तर पर दूरदर्शी योजनाएं संचालित की जाएगी जिसकी महत्वपूर्ण कड़ी जिला स्तर पर डायट में निर्मित मॉडल आंगनबाड़ी बाल वाटिका होगी।भविष्य में होने वाली ईसीसी एजुकेटर की उन्मुखीकरण कार्यशालाएं जिला स्तर पर डाइट से ही संचालित की जाएगी तथा साथ ही समस्त जनपद में आंगनवाड़ी शिक्षकों द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण क्रियाकलाप को संकलित करके पत्रिका के माध्यम से डाइट स्तर द्वारा ही प्रकाशित किया जाएगा। मॉडल आंगनबाड़ी बाल वाटिका के सौंदर्यीकरण का कार्य कला विभाग के प्रवक्ता श्री नीलेश नाथ जी के मार्गदर्शन में श्री मनोहर लाल गौतम, श्री रईस अहमद , शालिनी जायसवाल , श्री महेश चंद्र द्वारा संपन्न किया गया । कार्यक्रम में श्रीमती मेघा अग्रवाल, श्री विजय कुमार, श्री अमित कुमार गंगवार, श्री अमित कुमार शर्मा, श्रीमती सुनीता विष्ट डाइट प्रवक्ताओं द्वारा महत्वपूर्ण भूमिकाओं का निर्वहन किया गया। मंच का संचालन श्री स्वदेश कुमार गंगवार जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डायट के सभी प्रशिक्षु व डायट स्टॉफ उपस्थित रहा।

समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की एवं मनोनयन पत्र वितरित किए गए।

(जीएनएस)।

(वर्तमान भारत)पीलीभीत पूरनपुर। समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की।आज दिनांक 24-03-2026 को विधानसभा 129 पूरनपुर के अध्यक्ष संजय यादव द्वारा अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस अवसर पर ज़िलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा, पूर्व विधायक अरशद खां व पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव की गरिमामयी उपस्थिति में सभी पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र वितरित किए गए।

नवनियुक्त सभी साथियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं।इस दौरान मुख्य रूप से सयुस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू , पूरनपुर ब्लॉक अध्यक्ष नजमुल हसन खां, निशान अहमद परवेज खान, जिया उल मुस्तफा, सतीश चंद्र वर्मा, डॉ. सलीम अहमद , श्रीप्रकाश गौतम एडवोकेट, के. नारायण मिश्रा एडवोकेट , संतोष कुशवाहा, फाजिल खान, संदीप शर्मा, अमित कुमार शर्मा, छत्रपाल पासवान, शाहिद खान "लल्ला भैया", रामस्वरूप अवस्थी, अमित कुमार वर्मा, सदाकत अली , याकूब अंसारी, रामस्वरूप पाल, अनिल शर्मा, संजय खान, आदर्श पाण्डेय एडवोकेट, ओम शर्मा, अरविंद शर्मा, सीताराम कश्यप, रामनरेश भारती, ख्यालीराम, धर्मेंद्र शर्मा, बंगालीलाल, सुरेश शर्मा, हरज्ञान सिंह यादव, सुरेश भैया, रामदास, मानवेंद्र सिंह यादव, परशुराम यादव, उवैस कादिर, रामगोपाल सक्सेना, अजयपाल लोनिया, जयप्रकाश यादव, पातीराम यादव, अरविंद कुमार, श्यामाचरण पासवान, रामचंद्र भारती, रामगोपाल वर्मा, ख्याली राम, राजीव कुमार, डालचंद, सुदेश कुमार, रामअवतार, अमित शर्मा, सत्यनारायण सिंह, रामकृपाल सिंह इंजीनियर, शाहिद खान, विनोद कुमार वर्मा, परवेज हुसैन, रवि शान, सदाकत अली, राजाराम वर्मा, सुमित कुमार वर्मा, ताज मोहम्मद, सद्दाम हुसैन, सुभाष राय, शमशाद खान, कल्याण सिंह सरोज, शमशाद खान, सौरभ कुमार, अंकुर वर्मा, उस्मान शाह, रजब खान, अमानत, राजा मोहम्मद, जीशान सहित तमाम सम्मानित नेतागण पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।